उ.जै.उ.प. के तकनीकी प्रकोष्ठ द्वारा जैविक सब्जी उत्पादन हेतु विकसित की गई उन्नत पद्धतियाँ

जैविक सब्जियों की जैविक विधी को जानने के लिए उक्त प्रकाशनों की मुफ्त प्रतियों हेतु परिषद के दस्तावेजीकरण

'उत्तराखण्ड में पायी जाने वाली सामान्य वनस्पतियों के औषधीय गुण एवं उपयोग' पर आधारित वित्तीय वर्ष2008—09 का कैलेण्डर

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद' द्वारा वित्तीय वर्ष 2008—09 (1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक) का 'महिला श्रम बोझ मुक्ति परियोजना' के अन्तर्गत, 'उत्तराखण्ड में पायी जाने वाली सामान्य वनस्पतियों के औषधीय गुण एवं उपयोग' पर आधारित कैलेण्डर प्रकाशित किया गया है। उक्त कैलेण्डर की प्रतियाँ जैविक उत्पाद परिषद के मुख्य कार्यालय देहरादून में उपलब्ध हैं। इन कैलेण्डरों को मंगवाने हेतु परिषद के दस्तावेजीकरण प्रकोष्ठ से सम्पंर्क किया जा सकता है ।

रु. 1560 प्रति कुन्तल तय हुआ जैविक गेहुँ का मूल्य

उत्तराखण्ड के जैविक कृषकों द्वारा उत्पादित जैविक गेंहु में अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए गेंहु के विपणन से जुड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वा कृषकों की सहमति से जैविक गेंहू का मूल्य 1560 रु. प्रति कुन्तल निर्धा किया गया है। जबकि गत वर्ष यह मूल्य 1200 से 1300 रु. प्रति कुन्तल

उत्तरांचल जैविक उत्पाद परिषद द्वारा 17 मार्च 2008 को जैविक गेंहु के व्यापार से जुड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों व जैविक कृषक समूह प्रतिनिधियों के बीच देहरादून में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य यही था कि दोनों पक्ष आपसी सहमति के आधार जैं गेंहु का मूल्य निर्धारित कर लें। ज्ञात हो परिषद द्वारा खरीफ और रबी ही चक्रों में मूल्य निर्धारित करने के लिए क्रेताओं व काश्तकारों के मध्य प्रकार की गोष्ठी का आयोजन किया जाता रहा है।

क्रेताओं की ओर से गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए श्री सुनील गु ने कृषक समूहों के प्रतिनिधियों को जैविक गेंहु की मांग के संबंध जानकारी दी व क्रेताओं की ओर जैविक मूल्य का प्रस्ताव रखा। तत्पश्च काफी विचार विमर्श के बाद कृषकों की सहमति के आधार पर इस वर्ष लिए जैविक गेंहु का मूल्य 1560 रु. प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया। हेतु क्रेताओं व कृषकों के मध्य अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये। इस अनु पर क्रेताओं की ओर से धारनी शुफलम, राजा राम धर्मशाला मण्डी दबवाल जिला—शेरसा हरियाणा ने व कृषक फैडरेशनों की ओर से विकास नगर डोईवाला, रायपुर, सहसपुर के फैडरेशनों ने हस्ताक्षर किये। अनुबन्ध के आधार पर क्रेता वर्ष 2008 में इन फैडरेशनों से 1560 रु. प्रति कुन्तल क से 1000 कुन्तल गेंहु का क्रय करेंगे।

गोष्ठी में विभिन्न विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि, कृषक फेडरेशनों के अध्यक्षों में श्री ओम प्रकाश डोगरा, उमेद सिंह बोरा उमेद सिंह सजवाण, धनश्याम सिंह ठाकुर, व एक शोध छात्रा श्रीमती सै कनाड़ा व परिषद के विपणन प्रबंधक, श्री रोहित लसपाल, उत्पाद विकास अधिकारी, श्री पंकज कुमार, तकनीकी प्रबंधक, श्री अमित श्रीवास्तव, गुणवत्ता प्रबंधक, श्री संजीव श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

इस अनुबन्ध के अतिरिक्त जैविक उत्पाद परिषद के माध्यम से कृषक फैडरेशनों की धारनी जैविक कृषि, देव ऑगेनिक जयपुर, ऑगेनिक फूडस, एग्रो सीडस, आई0टी0सी0 लखनऊ से भी गेंहु के विपणन के सं में चल रही वर्ता अपने अन्तिम दौर में है। इस वर्ष 600 टन जैविक ग विपणन किये जाने की संभावना है।

जैविक बासमती चावल के अधिकृत विक्रेता

कोहीनूर फूड्स लिमिटेड

जैविक कृषक सम्पर्क करें
सतनाम ओवरसीज लिमिटेड
201, विनस सेन्टर, मसजिद मौत, ग्रेटर कैलाश–।।,
नई दिल्ली -110048
दूरभाष –01141635757 (30 लाइनें)
01141638586 / 87
info@kohinoorfoods.in
www.kohinoorfoods.in

जैविक खायें
जैविक खिलायें
सेहत बनायें

विज्ञापन प्रकाशित करवायें कृषकों से संवाद बनायें

जैविक उत्पादों के विपणन से जुड़े प्रतिष्ठानों से अनुरोध है कि वे में उत्तरांचल जैविक उत्पाद परिषद के मासिक पत्र 'उत्तरा' में अपने विज्ञापन प्रकाशित करवायें व सीधें कृषकों से संवाद बनायें।

इस माध्यम से परिषद को एक विज्ञापन से जो

प्रबन्ध सम्पादक	:	सुश्री बिनीता शाह
सम्पादक	:	अनिल मैखुरी एवं रमा कठैत
साभार	:	जैविक ग्राम योजना के समस्त मास्टर प्रशिक्षक एवं तकनीकी अधिकारी एवं समन्वयक।
प्रकाशक	:	उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद् 201/1, वसन्त विहार, देहरादून
मुद्रक	:	सरस्वती प्रिन्टर्स, देहरादून

सेन्टर ऑफ आर्गेनिक फार्मिंग
उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद्

बुक पोस्ट

सदस्यता क्र. ....

नाम ....

पता ....